घर-घर उच्च शिक्षा पहुंचाएगा मुक्त विवि

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का अभियान शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

उच्च शिक्षा-मुक्त शिक्षा को घर-घर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने गढ़वाल मंडल में शुक्रवार से 'उच्च शिक्षा घर-घर तक अभियान' शुरू किया है। यह अभियान 28 जुलाई तक चलेगा। सभी स्टडी सेंटर्स को अभियान की जानकारी दी गई।

मुक्त विवि के अध्ययन अनुभाग के प्रभारी निदेशक डॉ. मदन मोहन जोशी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल और देहरादून के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संदीप नेगी ने सभी समन्वयकों से वार्ता की। प्राइवेट परीक्षा के संदर्भ में भी बात

28 जुलाई तक चलेगा उच्च शिक्षा-मुक्त शिक्षा अभियान

की गई। डॉ. मदन मोहन जोशी ने कहा कि राज्य में शासन ने प्राइवेट परीक्षा प्रणाली समाप्त कर दी है। ऐसे छात्र अब केवल मुक्त विवि से ही पढ़ाई कर सकते हैं। बीए/बीकाम और एमए/एमकॉम प्रथम वर्ष में प्राइवेट परीक्षाएं नहीं होंगी। लिहाजा इन कक्षाओं में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र उत्तराखंड ओपेन यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले सकते हैं। इसके लिए नजदीकी स्टडी सेंटर पर जा सकते हैं। इस अभियान के तहत बड़कोट, उत्तरकाशी, चिन्यालीसौड़, चंबा, कर्णप्रयाग, अगस्त्य मुनि, श्रीनगर, पौड़ी आदि जगहों पर बैठक आयोजित की जाएगी। जिनमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, अध्ययन केंद्र समन्वयक और स्थानीय पत्रकारों को शामिल किया जाएगा। बैठक में एसजीआरआर पीजी कॉलिज अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. एचवी पंत, नेटकॉम के अनिल तोमर, बृजमोहन खाती, अजय कुमार मौजूद रहे।

'उच्च शिक्षा घर-घर तक' कार्यक्रम का शुभारंभ

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से 'उच्च शिक्षा घर-घर तक' कार्यक्रम के तहत देहरादून क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की बैठक बुलाई। बैठक में घर-घर तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने की बात कही गई। 28 जुलाई तक चलने वाले कार्यक्रम के पहले दिन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रभारी डॉ.मदन मोहन जोशी ने कहा शासन द्वारा व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली समाप्त करने के बाद बीए, बीकॉम, एमए, एमकॉम प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्र उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से प्रवेश ले सकेंगे। बैठक में डॉ.मदन मोहन जोशी, डॉ.राकेश रयाल, संदीप नेगी, एचवी पंत, अनिल तोमर, बृजमोहन खाती, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

राजकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय काउन्सलिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

लोक संहिता प्रतिनिधि

थलीसैंण। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा राजकीय महाविद्यालय थलीसैंण में एक दिवसीय काउन्सलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ0 राकेश रयाल ने यूओयू के उद्देश्य एवं उपयोगिता महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों द्वारा घर बैठे गुणवत्ता परक शिक्षा प्राप्त की जा सकती है प्रवेश प्रभारी डॉ0 एमएम जोशी ने छात्रों को मूलभूत जानकारी प्रदान की। कम्प्यूटर प्रभारी डॉ0 सिंह द्वारा पाठ्यक्रमों हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं पाठ्यक्रम पुस्तकों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0

लवनी रानी राजवंशी ने कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम सभी के लिए उपयोगी है संस्थागत छात्रों हेतु डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कार्स अत्यन्त लाभप्रद है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 डीसी पाण्डेय ने बताया कि वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में अध्ययन केन्द्र के साथ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का परिक्षा केन्द्र भी प्रारम्भ हो गया है।

परिक्षा हेतु परिक्षा केन्द्र 55-राजकीय महाविद्यालय, थनीसैण का चयन ऑन लाइन किया जा सकता है। इस मौके पर प्राध्यापक डॉ0 नवरत्न सिंह, डॉ0 जेसी भट्ट, डॉ0 छाया सिंह, डॉ0 बिपेन्द्र सिंह रावत, डॉ0 निर्मला रावत, डॉ0 तारा चन्द, शिवानी धूलिया, रेखा, बिरमा, अमिता, द्विव्यांशी, कंचन, प्रदीप, प्रमोद, संतोष आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा घर–घर तक कार्यक्रम शुरू

देहरादून: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) का गढ़वाल क्षेत्र में 'उच्च शिक्षा घर-घर तक' कार्यक्रम शुक्रवार से शुरू हो गया। कार्यक्रम 28 जुलाई तक चलेगा। विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रभारी डॉ. मदन मोहन जोशी ने बताया कि व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली समाप्त कर दी गई है। अब वे छात्र जो व्यक्तिगत परीक्षा के माध्यम से शिक्षा लेते थे, वे यूओयू से उच्च शिक्षा ले सकते हैं। बीए/बीकॉम तथा एमए/एमकॉम प्रथम वर्ष में व्यक्तिगत परीक्षाएं नहीं होगी, इसलिए इन कक्षाओं में प्रवेश के इच्छुक छात्र यूओयू में प्रवेश ले सकते हैं। छात्र यूओयू के नजदीकी अध्ययन केंद्रों पर जाकर प्रवेश लें। विवि के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि बड़कोट, उत्तरकाशी, चिन्यालीसौड़, चम्बा, कर्णप्रयाग, अगस्त्यमुनि, श्रीनगर, पौड़ी में बैठक होंगी। शुक्रवार को देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों के साथ बैठक में अध्ययन अनुभाग प्रभारी निदेशक डॉ.मदन मोहन जोशी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल, देहरादून क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संदीप, एसजीआरआर पीजी कॉलेज अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. एचवी पंत, अनिल तोमर आदि शामिल रहे।

मुक्त विश्व विद्यालय के पाठ्यक्रमों की दी जानकारी

अमर उजाला 5 August, पृ-५

बड़कोट। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय की कार्यशाला में उच्च शिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम के तहत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष अनुपमा रावत ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मुक्त विश्व विद्यालय की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा.राकेश चंद्र रयाल ने बताया कि संस्थागत शिक्षा से वंचित दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को उच्च शिक्षा मुहैया कराने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। विश्व विद्यालय के प्रवेश प्रभारी डा.मदन मोहन जोशी ने मुक्त विश्व विद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डा.पुष्पांजलि आर्य, डा.डीएस मेहरा, डा.विजय बहुगुणा, डा.सीमा बेनीवाल, डा.जगदीश चंद्र, डा.युवराज शर्मा, सुभाष चंद्र, किताब सिंह रावत मौजूद रहे।

'उच्च शिक्षा से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे'

बड़कोट | हमारे संवाददाता

राजेन्द्र सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय बड़कोट में उतराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र में शनिवार को एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उच्चशिक्षा को लेकर चलाये जा रहे पाठ्यक्रमों की गहन जानकारी दी गई तथा इन पाठ्यक्रमों का लाभ लेने को लेकर प्रेरित किया गया। उत्तराखंड के विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों एवं दुरुस्त गांव तक के विद्यार्थियों को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से उच्च शिक्षा दिलाने को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न उपयोगी पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं इन पाठ्यक्रमों की जानकारी देने को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। शनिवार को राजकीय महाविद्यालय बड़कोट अध्ययन केंद्र में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बतौर आमंत्रित अतिथि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर राकेश चंद्र रयाल ने यहां उपस्थित छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों की गहनता से जानकारी दी। मौके पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर पुष्पांजलि आर्य, डॉ डीएस मेहरा, अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ विजय बहुगुणा, डॉ सीमा बेनीवाल, डॉक्टर जगदीश चंद्र, डॉक्टर युवराज शर्मा, सुभाषचंद्र, किताब सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद थे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू ने सुदूरवर्ती क्षेत्रों में उच्चशिक्षा का प्रसार किया

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क एवं प्रचार प्रसार विभाग ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के प्रचार के लिए प्रदेशभर में अभियान चलाया। इस दौरान विश्वविद्यालयों के 6 कार्मिकों की टीम ने सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों से विवि के स्टडी सेंटरों के माध्यम से उच्चशिक्षा से जुड़ने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने कहा कुलपति के निर्देश पर विवि की ओर से उच्चशिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के लिये 2 टीमें बनाई गई थी। कुमाऊं की टीम ने पिथौरागढ़, मुनस्यारी, धारचूला, लोहाघाट, नैनीताल, रानीखेत, बागेश्वर में अभियान चलाया। टीम में डॉ. कमल देवलाल, डॉ. श्याम कुंजवाल तथा राजेंद्र कबीरा शामिल रहे।

अमर उजाला 6-8-19 पेज-7

उत्तराखंड मुक्त विवि के पाठ्यक्रमों की दी जानकारी

पाठ्यक्रमों की जानकारी लेते बीएड संकाय के छात्र-छात्राएं। - अमर उजाला

उत्तरकाशी (ब्यूरो)। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत राजकीय महाविद्यालय के पुरीखेत परिसर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में यूओयू के अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न कोर्स के पाठ्यक्रमों की जानकारी दी।

यूओयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि विवि का उद्देश्य कहीं भी, कभी भी और किसी को भी उच्च शिक्षा प्रदान कराना है। ऐसे युवा जो कॉलेज जाने में असक्षम हों, वे सभी मुक्त विवि से मनचाहा कोर्स कर सकते हैं। विवि द्वारा बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी आदि कोर्स के अलावा कंप्यूटर, होटल मैनेजमेंट, योग, ज्योतिष, पत्रकारिता, कृषि, लॉ आदि के कोर्स भी कराए जा रहे हैं। जिनमें छात्रों को कार्यशाला, प्रयोगात्मक परीक्षा, ऑडियो-वीडियो डेमो, किताबों व अन्य तरीकों से अध्ययन कराया जाता है।

यूओयू के प्रवेश प्रभारी डॉ. मदन मोहन जोशी ने बताया कि आज प्रदेश भर में करीब 68 हजार छात्र-छात्राएं मुक्त विवि से कोर्स कर अपना भविष्य संवार रहे हैं। कार्यक्रम में डा. सुरेश चंद्र ममगाईं, बालम सिंह, वसंतिका कश्यप, डा. रुचि कुलश्रेष्ठ, डा. दिनेश , डा. महेंद्रपाल परमार, डा. एमपी तिवारी, डा. दीपक आदि अनेक मौजूद रहे।

टीम ने किया बिथ्याणी कालेज का निरीक्षण

अमर उजाला ब्यूरो

यमकेश्वर। महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय बिथ्याणी (यमकेश्वर) में उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय खुलने जा रहा है। बृहस्पतिवार को उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय हल्द्वानी की तीन सदस्यीय टीम ने महाविद्यालय निरीक्षण किया। टीम ने स्टडी सेंटर खोलने पर अपनी सहमति प्रदान कर दी है।

बृहस्पतिवार को उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय हल्द्वानी से प्रवेश प्रभारी डा. मदन मोहन जोशी, जनसंपर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल और कंप्यूटर प्रोग्रामर उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय बालम सिंह दफोटी ने यमकेश्वर ब्लाक के महाविद्यालय महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय बिथ्याणी (यमकेश्वर) का दौरा कर वहां पर संचालित पाठ्यक्रमों, भवन, पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया। इस मौके पर टीम ने महाविद्यालय में उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय का स्टडी सेंटर खोलने की मांग पर सहमति व्यक्त की। डा. मदनमोहन जोशी ने छात्रों को बताया कि उत्तराखंड ओपन

गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय बिथ्याणी में पाठ्यक्रमों की जानकारी देते उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय की टीम के सदस्य। अमर उजाला

बिथ्याणी कालेज में खुलेगा उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय का स्टडी सेंटर

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न डिग्री और डिप्लोमा कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। कंप्यूटर प्रोग्रामर बालम सिंह दफोटी ने छात्रों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया और ऑनलाइन फार्म भरने के बारे में जानकारी दी। जनसंपर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल ने छात्रों को बताया कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में अध्ययन केंद्र स्थापित करना और कार्यप्रणाली से छात्रों को अवगत कराना है। उच्च शिक्षा आपके द्वार योजना के तहत महाविद्यालय बिथ्याणी में ओपन विश्वविद्यालय का स्टडी सेंटर खोलने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक आनंद सिंह बिष्ट, कार्यकारी प्राचार्य विनय कुमार पांडे, डा. उमेश त्यागी, डा. अनिल कुमार सैनी, मानेंद्र सिंह बिष्ट, संजय रतूड़ी, शशिधर उनियाल, जयबीर सिंह नेगी, राम सिंह सामंत मौजूद थे।

यूओयू ने सुदूरवर्ती क्षेत्रों में उच्चशिक्षा का प्रसार किया

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क एवं प्रचार प्रसार विभाग ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के प्रचार के लिए प्रदेशभर में अभियान चलाया। इस दौरान विश्वविद्यालयों के 6 कार्मिकों की टीम ने सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों से विवि के स्टडी सेंटरों के माध्यम से उच्चशिक्षा से जुड़ने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने कहा कुलपति के निर्देश पर विवि की ओर से उच्चशिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के लिये 2 टीमें बनाई गई थी। कुमाऊं की टीम ने पिथौरागढ़, मुनस्यारी, धारचूला, लोहाघाट, नैनीताल, रानीखेत, बागेश्वर में अभियान चलाया। टीम में डॉ. कमल देवलाल, डॉ. श्याम कुंजवाल तथा राजेंद्र कवीरा शामिल रहे।

दिवस का आयोजन किया गया।

मुक्त विश्व विद्यालय के पाठ्यक्रमों की दी जानकारी

बड़कोट। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय की कार्यशाला में उच्च शिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम के तहत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष अनुपमा रावत ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मुक्त विश्व विद्यालय की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा.राकेश चंद्र रयाल ने बताया कि संस्थागत शिक्षा से वंचित दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को उच्च शिक्षा मुहैया कराने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। विश्व विद्यालय के प्रवेश प्रभारी डा.मदन मोहन जोशी ने मुक्त विश्व विद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डा.पुष्पांजलि आर्य, डा.डीएस मेहरा, डा.विजय बहुगुणा, डा.सीमा बेनीवाल, डा.जगदीश चंद, डा.युवराज शर्मा, सुभाष चंद्र, किताब सिंह रावत मौजूद रहे।

Shot on realme 2
By Balam Dafauti

Shot on realme 2
By Balam Dafauti

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल) द्वारा आयोजित एक दिवसीय
अभिविन्यास (Orientation)
सत्र : 2018–2019
कार्यक्रम में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन है
मुख्य अतिथि : श्रीमती अनुपमा रावत, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद्, बड़कोट
आमंत्रित अतिथि : डॉ. मदन मोहन जोशी, प्रवेश प्रभारी, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
डॉ. राकेश चन्द्र रयाल, जनसम्पर्क अधिकारी, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
Shot on realme 2
By Balam Dafauti

2 | दैनिक जागरण

एक नजर

दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का प्रसार

पिथौरागढ़ : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने दूरस्थ शिक्षा के संबंध में सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विद्यालयों में संपर्क किया। इस मौके पर बताया कि विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकि की मदद से सभी क्षेत्रों को जोड़ रहा है। विश्वविद्यालय से आए अध्यापकों डॉ. कमल देवलाल, डॉ. ललित मोहन भट्ट, डॉ. चारु पंत ने तहसील डीडीहाट के दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों में पहुंचकर दूरस्थ शिक्षा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने एडुसेट का संचालन शुरू कर दिया है। इसके लिए प्रदेश में 60 एसआइटी स्थापित किए जा रहे हैं। जिसमें 30 एसआइटी ने कार्य करना शुरू कर दिया है। विद्यार्थी इन केंद्रों में जाकर अपने विषय के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके बाद प्राध्यापकों का दल मुनस्यारी रवाना हो गया है।

दूरस्थ शिक्षा के लिए जनसंपर्क

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को जानकारी देते प्रशिक्षक। जागरण

जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़ : उच्च शिक्षा को दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रसारित करने के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क किया। इस मौके पर दूरस्थ शिक्षा तथा विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठयक्रमों की जानकारी भी दी गई।

मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. ललित भट्ट, डॉ. कमल देवलाल और डॉ. चारु पंत ने प्रथम चरण में पिथौरागढ़, कनालीछीना और सतगड़ आदि स्थानों का भ्रमण किया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं को दूरस्थ शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा से धन व समय की बचत होती है।

विश्वविद्यालय पूरे प्रदेश में दूरस्थ शिक्षा पहुंचाने के लिए गंभीर है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में शनिवार से झूलाघाट, मुनस्यारी, बरम, धारचूला सहित अन्य क्षेत्रों का भ्रमण कर जानकारी दी जाएगी।

राष्ट्रीय सहारा
सच कहने की हिम्मत

छात्र दूरस्थ शिक्षा से संवारें भविष्य

पिथौरागढ़(एसएनबी)। उत्तराखंड मुक्त विवि ने उच्च शिक्षा से वंचित दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को जोड़ने की मुहिम शुरू कर दी है। छात्रों को जागरूक करने और उन्हें उच्च शिक्षा के जरिये भविष्य संवारने के लिए विवि की ओर से आठ टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें पूरे प्रदेश में दूरदराज के इंटर कालेजों व कस्बों में घूमकर छात्र-छात्राओं को प्रेरित कर रही है।

■ उमुवि की टीम ने किया सीमांत क्षेत्र का भ्रमण, छात्रों को किया जागरूक

सीमांत जिले में विवि से आये शिक्षकों डा. कमल देवलाल; डा. ललित मोहन भट्ट व डा. चारू पंत ने कनालीछीना, पीपली, सतगढ़, झूलाघाट आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर उच्च शिक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। टीम ने बताया कि विवि आधुनिक तकनीकि सहायता से प्रदेश के सभी क्षेत्रों को जोड़ना चाहता है। विवि की ओर से एडुसेट का संचालन प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए पूरे प्रदेश में 55 एसआईटी (सेटेलाइट इंटरेक्टीव टर्मिनल) स्थापित किये गये हैं जिनमें से 30 पर प्रसारण शुरू हो चुका है। विद्यार्थी इन केंद्रों में जाकर अपने विषय की कक्षाओं में प्रतिभाग कर सकता है। छात्र शिक्षकों के माध्यम से अपनी जिज्ञासायें भी शांत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अपने अध्ययन केंद्र में जाकर भी इंटरनेट पर कक्षाओं का लाभ ले सकता है। जिन स्थानों पर अध्ययन केंद्र नहीं है वहां पर नये केंद्र स्थापित किये जा रहे है। टीम ने बताया कि विवि की ओर से प्रदान की जा रही डिग्री यूजीसी से मान्यता प्राप्त और अन्य विवि द्वारा प्रदत्त डिग्री के समकक्ष है। प्रदेश की उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की अत्यधिक कमी के कारण दूरस्थ शिक्षा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है, जो विद्यार्थी मोबाइल का प्रयोग करते है वो अपने फोन पर भी विभिन्न विषयों के व्याख्यान सुन व देख सकते हैं। विवि ने विज्ञान विषयों में भी स्नातक तथा परा स्नातक कार्यक्रम शुरू कर दिये हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान संकायों के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत एजूसेट का भी संचालन कर रहे है। डा. कमल देवलाल व डा. चारू पंत ने बताया कि सीमांत के छात्र-छात्राएं दूरस्थ शिक्षा में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

"उम्मीद की
उत्तराखण्ड मुक्त विश्ववि
द्धानी, नैनीताल
आपका हार्दिक
ता है।
Toll Free: 18001804025

दि की एक किरण"
श्वविद्यालय, हल्द्व
र्दिक स्वागत कर
अधिकार, उच्च शि
25, 05946-261122 (10a
के लिए देखें– www.u